

why should you not make all other arrangement of repair for Airbus, Boeings etc. at Calcutta? Heavy Government moneys are being wasted because if they are stranded at Calcutta, they have to go to Delhi or Bombay to get spare parts and engineers. It must not be forgotten that Calcutta is the Gateway for the far east. So, it is clear that so many issues are involved which would require a full dress debate but these examples are sufficient to prove that Calcutta airport has been systematically downgraded. I want the Minister to rectify this position immediately and make a statement before the House.

12.25 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER in the Chair].

(iii) NEED TO IMPROVE WATER SUPPLY IN DELHI.

श्री राजावतार शास्त्री (पटना) :  
उपाध्यक्ष महोदय, पेय जल का संकट दिल्ली के बहुत सारे मोहल्लों में है। आबादी विस्तार के अनुसार पानी की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। अस्तु यह समस्या दिनों दिन गंभीर बनती जा रही है।

पानी के अभाव से ससद-सदस्य भी कम प्रभावित नहीं हैं। नार्थ एवं साउथ एबेन्यू स्थित संसद-सदस्यों के फ्लैटों के ऊपरी तल पर पानी का अभाव विशेष रूप से है। गर्मी हो या जाड़ा, उन्हें 10 से 4 बजे दिन तक एक बूंद पानी भी नहीं मिलता। कभी-कभी तो साढ़े घाठ नौ बजे ही नलों में पानी आना बंद हो जाता है जैसा कि 3 अक्टूबर को हुआ और आज भी हुआ। स्थिति इतनी हास्यास्पद हो जाती है कि नहाने और मुंह धोने को भी पानी नहीं मिलता। कभी-कभी नहाते समय शरीर में साबुन लगा रह जाता है और नल का पानी जाता रहता है। यदाकदा मजबूर होकर शौचालय के पानी का इस्तेमाल करना पड़ता है।

पानी के अभाव की इस समस्या की और संबंधित अधिकारियों का ध्यान बारबार खींचा गया। इतना ही नहीं इस वर्ष संसद के बजट और पावस संतों में तो लोक-सभा के माध्यम से अध्यक्ष और अधिकारियों का ध्यान भी कई बार खींचा गया। स्थिति में सुधार लाने के आश्वासन भी दिये गये, परन्तु खेद की बात है कि स्थिति में अब तक कोई सुधार नहीं देखा जा रहा है। पानी का संकट ज्यों का त्यों बना हुआ है।

अस्तु आवास और निर्माण मंत्री से मेरा अनुरोध होगा कि वह दिल्ली के विभिन्न मोहल्लों की स्थिति में सुधार तो लावें ही संसद-सदस्यों के फ्लैटों में भी नियमित रूप से पानी सप्लाई करने की व्यवस्था करें ताकि उनका असंतोष दूर हो सके।

(iv) NEED TO RELEASE ADEQUATE CREDIT TO FARMERS FOR PURCHASE OF AGRICULTURAL PUMP SETS.

SHRIMATI JAYANTI PATNAIK (Cut-tack): I wish to raise the following matter of urgent public importance under Rule 377.

The electric motor industry is facing demand recession. The slump in the motor industry was mainly due to credit restrictions for agricultural pumps. Manufacturers of electric motors have been cutting down their production since January, 1982. The production of the industry has been reduced at 50 per cent subsequently.

The situation is unlikely to improve unless the Government initiate definite action plans to reverse this downward trend in production. In view of this, I demand that the Government of India should release adequate credit for purchase of agricultural pump sets to pull the electric motor industry out of recession.

(v) NEED TO INCREASE GUARANTEED PRICE OF COTTON UNDER THE COTTON MONOPOLY PURCHASE SCHEME.

SHRI UTTAM RATHOD (Hingoli): The guaranteed prices of different varieties of cotton monopoly purchase scheme